කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2019

2023 දෙසැම්බර්

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - **HIND E 3025** (පැරණි නිර්දේශය)

පුරාතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය හා නූතන හින්දී පද්‍ය සාහිත්‍ය උද්ධෘත
(නියමිත සහ අනියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 06 යි කාලය : පැය 03 යි

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य हैं।

01. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किसी एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
इस ज्वालामयी जलन के
कुछ शेष चिह्न हैं केवल
मेरे उस महा मिलन के।

जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति–सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।

क्यों छलक रहा दुख मेरा
उषा की मृदु पलकों में
हाँ उलझ रहा सुख मेरा
संध्या की घन अलकों में।

(ख) चढ़ रही थी धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप,
उठी सुलझाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगी छा गयी,
प्रायः हुई दुपहर
वह तोड़ती पत्थर।

02. निम्नलिखित पद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

जग के आँगन में आयी है,
नव प्रभात की प्रथम किरण
वन–वन, तरु–तृण पर छायी है,
नव प्रभात की प्रथम किरण।

अंधकार मिट गया विश्व का
घर–घर खुशहाली छायी,
जागृति का संदेश मनोहर
नव प्रभात किरण लायी।

03. पठित किसी कविता का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

04. **'आँसू काव्य में विरह का चित्रण है।'** समझाइए। (20 अंक)

05. हिंदी साहित्य के काल विभाजन का परिचय दीजिए। (20 अंक)

06. हिंदी साहित्य की भक्तियुगीन साहित्यिक धाराओं का परिचय दीजिए। (20 अंक)

****